2014 – 15

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी)

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर सत्र– 2014–15

प्रश्न पत्र– एक	हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
प्रश्न पत्र– दो	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
प्रश्न पत्र–तीन	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र
प्रश्न पत्र–चार	हिन्दी उपन्यास एवं कहानी साहित्य

तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर सत्र– ~~2014~~–15 – 16

प्रश्न पत्र– एक	आधुनिक हिन्दी काव्य
प्रश्न पत्र– दो	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
प्रश्न पत्र–तीन	नाटक, निबंध एवं अन्य गद्य विधायें
प्रश्न पत्र–चार	वैकल्पिक –

(क) साहित्यिक वर्ग — तुलसीदास

(ख) व्यवसायिक वर्ग ×

(ग) लोक साहित्य ×

(घ) लघु शोध प्रबंध ×

(क) साहित्यिक वर्ग –

विशेष कवि – कबीर ~~तुलसीदास~~ / सूरदास / निराला / माखनलाल चतुर्वेदी

नाटककार – प्रसाद / मोहन राकेश

कथाकार – प्रेमचंद

(ख) व्यवसायिक वर्ग –

(1)	प्रयोजनमूलक हिन्दी	(2)	अनुवाद विज्ञान
(3)	पत्रकारिता प्रशिक्षण	(4)	राजभाषा प्रशिक्षण
(5)	भाषा शिक्षण	(6)	दृश्य–श्रव्य विज्ञान

सेमेस्टर पद्धति में प्रत्येक प्रश्नपत्र 40 अंक का एवं आंतरिक मूल्यांकन 10 अंक के इस तरह कुल 50 अंक होंगे

19/8/14 Sanjuk 19/8/14 19/8/14

अध्यक्ष
हिंदी अध्ययन मंडल
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

एम.ए. I st SEM

एम. ए. हिन्दी प्रथम सेमेस्टर पूर्णांक

प्रश्न पत्र– एक 2014 – 15 ~~अधिकतम~~ अंक–40

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(आदिकाल एवं मध्यकाल)

इकाई –1– सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं काल विभाजन, हिन्दी साहित्य के इतिहास के लेखन की परंपरा, और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

इकाई –2– हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई –3– पूर्वमध्यकाल भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक–चेतना एवं भक्ति–आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा उनका विश्लेषण, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।

इकाई –4– राम काव्य और कृष्ण काव्य : प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य।

इकाई –5– उत्तर मध्यकाल रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, विविध धाराएँ रीतिबद्ध, रीति सिद्ध, रीति मुक्त प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ।

भारतीय संस्कृति के विभिन्न चरणों का सामान्य ज्ञान / हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं साहित्य और संस्कृति का परस्पर संबंध।

अंक विभाजन– वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30

40

आंतरिक मूल्यांकन + 10

कुल – 50

19/8/14

Sonjula 19/8/14

संदर्भ ग्रन्थ सूची — संलग्न P.T.O.

एम. ए. हिन्दी प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र– द्वितीय 2014 – 15 पूर्णांक–40

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

इकाई –1– चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो (संपा.–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी एवं डॉ. नामवर सिंह), शशिव्रता विवाह प्रस्ताव (पद क्रं. 1 से 102 तक)।

इकाई –2– विद्यापति – (संपा.आनंद प्रकाश दीक्षित)
(पद क्रं. 3, 5, 6, 7, 8, 50 , 51, 52, 53, 54, 55, 56, 59, 62, 64, 70, 72, 73, 74, 77) ।

इकाई –3– कबीरदास – कबीरग्रंथावली (संपा. डॉ. श्यामसुंदर दास)
पचास साखी एवं पाँच पद।
1. गुरूदेव को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ
2. सुमिरण को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ
3. विरह को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ
4. ज्ञान विरह को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ
5. परचा को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ

प्रारंभिक पाँच पद। (सबद)

इकाई –4– मलिक मुहम्मद जायसी : पद्मावत : आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागमति वियोग खंड)

इकाई –5– द्रुत पाठ के कवि : सरहपा, गोरखनाथ, अमीर खुसरो, जगनिक, सुंदरदास, रैदास, कुतुबन।

अंक विभाजन– वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30

		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
कुल –		50

19/8/14 Sanjiv 19/8/14

संदर्भ ग्रंथ सूची – P.T.O.

एम. ए. हिन्दी प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र– तृतीय 2014 – 15 पूर्णांक–40

भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई –1– संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

इकाई –2– रस–सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।
अलंकार–सिद्धांत : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई –3– रीति–सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य–रीति एवं शैली, गुण, रीति सिद्धांत की प्रमुख अवधारणाएँ।
ध्वनि–सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्र–काव्य।

इकाई –4– वक्रोक्ति–सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

इकाई –5– (क) हिन्दी कवि–आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन : लक्षण–काव्य परंपरा एवं कवि–चिंतन :

(ख) हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :

1. शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।
2. व्यवहारिक समीक्षा : प्रश्नपत्र में पूछे गये किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10 × 1 = 10
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 5 × 6 = 30
		40
आंतरिक मूल्यांकन		+ 10
	कुल –	50

Sanjuh 14/8/14

संदर्भ ग्रंथ सूची संलग्न – P.T.O.

अध्यक्ष
हिंदी अध्ययन मंडल
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए. हिन्दी प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र– चतुर्थ 2014 – 15 पूर्णांक–40

हिन्दी उपन्यास एवं कहानी साहित्य

इकाई –1 हिन्दी उपन्यास साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई –2 गोदान– प्रेमचंद।

इकाई –3– मैला आँचल– फणीश्वर नाथ 'रेणु'।

इकाई –4– रानी दुर्गावती– वृंदावनलाल वर्मा।

इकाई –5– मानस का हंस– अमृतलाल नागर।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10 × 1 = 10
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 5 × 6 = 30
		40
आंतरिक मूल्यांकन		+ 10
	कुल –	50

19-8-14 19/8/14 19/8/14

अध्यक्ष 19/8/14
हिंदी अध्ययन मंडल
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

संदर्भ ग्रन्थ सूची संलग्न
P.T.O.

IInd Sem

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, द्वितीय सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम प्रष्नपत्र–एक पूर्णांक–40

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

इकाई –1– आधुनिक काल– आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई. का प्रथम स्वाधीनता संग्राम और पुनर्जागरण।
भारतेन्दु युग– प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विषेषताएँ।

इकाई –2– द्विवेदी युग– प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विषेषताएँ। हिन्दी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विषेषताएँ।

इकाई –3– उत्तरछायावाद की विविध प्रवृत्तियाँ– प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विषेषताएँ।

इकाई –4– हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध आदि।

इकाई –5– संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा का विकास। हिन्दी आलोचना का उद्भव एवं विकास। स्त्री विमर्ष और दलित विमर्ष का परिचय।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.भारतेंदु हरिष्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ–डॉ. रामविलास षर्मा, राजकमल प्रकाषन,दिल्ली,

2.स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य–डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजकमल प्रकाषन,दिल्ली,

3.हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास– डॉ. बच्चन सिंह,

4.हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

IInd Sem.

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, द्वितीय सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्णांक–40

प्रष्नपत्र–द्वितीय : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

(मध्यकालीन काव्य)

इकाई –1– सूरदास– भ्रमरगीत सार (संपादक–आचार्य रामचंद्र षुक्ल) प्रारंभिक 50 पद।
इकाई –2– तुलसीदास– रामचरितमानस, गीताप्रेसगोरखपुर
अयोध्याकाण्ड (दोहा 125 से 175 तक) 60 दोहे।
इकाई –3– बिहारीलाल– बिहारी रत्नाकर (संपादक–पं. जगन्नाथदास रत्नाकर)प्रारंभिक 50 दोहे।
इकाई –4– घनानंद– (संपादक–विष्वनाथ प्रसाद मिश्र) प्रारंभिक दोहे 25 छंद।
इकाई –5– द्रुत पाठ के कवि– नंददास, मीराबाई, रसखान, केषवदास, भूषण, पद्माकर, रहीम।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.सूर साहित्य– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

2.सूरदास–मुंषीराम षर्मा 'सोम',

3.श्री रामचरितमानस–श्री विनायकी टीका सहित, पं. विनायकराव 'नायक', म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन

4.बिहारी का नया मूल्यांकन–डॉ. बच्चन सिंह, हिन्दी विचारक संस्थान,वाराणसी,

5.रीतिकाव्यधारा–डॉ. रामचंद्र तिवारी, वि.वि. प्रकाषन, वाराणसी।

IInd Sem.

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, द्वितीय सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्णांक–40

प्रष्नपत्र–तृतीय : पाष्चात्य काव्यषास्त्र

इकाई –1– प्लेटो : काव्य–सिद्धांत, अरस्तू : अनुकरण–सिद्धांत, त्रासदी–विवेचन, विरेचन सिद्धांत। लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।

इकाई –2– ड्राइडन के काव्य सिद्धांत, वड्र्सवर्थ : काव्य–भाषा का सिद्धांत, कॉलरिज : कल्पना–सिद्धांत और ललित–कल्पना।

इकाई –3– मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य। टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनषीलता का असाहचर्य, आई. ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, व्यवहारिक आलोचना।

इकाई –4– सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविष्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

इकाई –5– आधुनिक समीक्षा की विषिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, षैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10 × 1 = 10
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 5 × 6 = 30
		40
आंतरिक मूल्यांकन		+ 10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.पाष्चात्य काव्यषास्त्र का इतिहास–डॉ. तारकनाथ बाली, मैकमिलन,

2.पाष्चात्य काव्यषास्त्र–डॉ. कृष्ण वल्लभ जोषी, स्मृति प्रकाषन, इलाहबाद,

3..पाष्चात्य साहित्य चिंतन–निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाषन, दिल्ली,

4.हिन्दी साहित्यषास्त्र–डॉ. कृष्ण वल्लभ जोषी, स्मृति प्रकाषन, इलाहबाद।

IInd sem.

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, द्वितीय सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्णांक–40

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : हिन्दी कहानी साहित्य

इकाई –1– हिन्दी कहानी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

कहानियाँ–

इकाई –2– उसने कहा था– चंद्रधर षर्मा 'गुलेरी', दो बाँके– भगवतीचरण वर्मा, ताई– विष्वंभरनाथ षर्मा 'कौषिक', हार की जीत–सुदर्षन, मंत्र– प्रेमचंद।

इकाई –3– पुरुस्कार– जयषंकर प्रसाद, पत्नी– जैनेन्द्र कुमार, परदा–यषपाल, ठेस– फणीष्वरनाथ 'रेणु', रोज–अज्ञेय,,।

इकाई –4– आर्द्रा–मोहन राकेष, राजा निरबंसिया– कमलेष्वर, सिक्का बदल गया– कृष्णा सोबती, चीफ की दावत– भीष्म साहनी, वापसी– उषा प्रियंवदा।

इकाई –5– जलती झाड़ी– निर्मल वर्मा, नकली हीरे– मन्नू भंडारी, फेंस के इधर–उधर –ज्ञानरंजन, दोपहर का भोजन– अमरकांत, तिरिछ–उदय प्रकाष।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10 × 1 = 10
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 5 × 6 = 30
		40
आंतरिक मूल्यांकन		+ 10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.हिन्दी कहानी–डॉ.रामदरष मिश्र,

2.समकालीन हिन्दी कहानी–डॉ.अमर सिंह वधान।

3.आधुनिक हिन्दी कहानी–डॉ.लक्ष्मी नारायण लाल, वाणी प्रकाषन, दिल्ली,

4.समकालीन कहानी की पहचान–डॉ. नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाषन, दिल्ली,।

5.ज्ञानरंजन की कहानियाँ : परिवर्तित दृष्यपटल का मनुष्य–डॉ. संजुल षर्मा, विनायक प्रकाषन, जबलपुर।

IIIrd Sem.

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्णांक–40

प्रष्नपत्र–प्रथम : आधुनिक हिन्दी काव्य

इकाई –1– व्याख्यांष– 1.मैथिलीषरण गुप्त–साकेत का नवम् सर्ग (मुझे फूल मत मारो तक),
2.जयषंकर प्रसाद–कामायनी– श्रद्धा व लज्जा सर्ग,
3.सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'–राम की षक्ति पूजा, सरोज–समृति,
4.सुमित्रानंदन पंत–नौका विहार, परिवर्तन।

इकाई –2– मैथिलीषरण गुप्त एवं जयषंकर प्रसाद से संबंधित समीक्षात्मक प्रष्न।

इकाई –3– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' एवं सुमित्रानंदन पंत से संबंधित समीक्षात्मक प्रष्न।

इकाई –4– आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई –5– द्रुतपाठ के निर्धारित कवि–
जगन्नाथ दास रत्नाकर, अयोध्याप्रसाद उपाध्याय 'हरिऔध' महादेवी वर्मा और बालकृष्ण षर्मा 'नवीन', माखनलाल चतुर्वेदी, हरिवंषराय बच्चन।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 =	10
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – [illegible]	[illegible]
		40
आंतरिक मूल्यांकन	–	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.मैथिलीषरण गुप्त–पुनर्मूल्यांकन–डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाषन, दिल्ली,

2.जयषंकर प्रसाद–नंददुलारे बाजपेयी, भारती भंडार, इलाहबाद,

3.कामायनी : पुनर्मूल्यांकन–डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाषन, इलाहबाद,

4.कामायनी : पुनर्विचार–मुक्तिबोध

5.निराला– डॉ. रामविलास षर्मा,

6.सुमित्रानंदन पंत : जीवन और साहित्य–डॉ.षांति जोषी, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली,

7.छायावाद–डॉ.नामवर सिंह।

III rd Sem

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्णांक–40

प्रष्नपत्र–द्वितीय : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई –1– भाषा और भाषाविज्ञान– भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य, भाषाविज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिषाएँ– वर्णात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई –2– स्वन प्रक्रिया– स्वरूप और षाखाएँ, वाग्यंत्र और उनके कार्य स्वनिम की अवधारणा– स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण स्वनिक–परिवर्तन।

इकाई –3– व्याकरण– रूप विज्ञान का स्वरूप, रूपिम की अवधारणा। वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य विष्लेषण, निकटस्थ अवयव विष्लेषण, गहन संरचना और बाह्य संरचना।

इकाई –4– अर्थ विज्ञान– अर्थ की अवधारणा। षब्द और अर्थ का संबंध। अर्थ प्राप्ति के साधन और – अर्थ परिवर्तन।

इकाई –5– साहित्य और भाषाविज्ञान, साहित्य में अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10 × 1 = 10
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 5 × 6 = 30
		40
आंतरिक मूल्यांकन		– 10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी–डॉ.सुनीति कुमार चाटुर्ज्या, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली,

2.हिन्दी भाषा का इतिहास– डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाषन, दिल्ली,

3.आधुनिक भाषाविज्ञान– डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाषन, दिल्ली,

4.हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास–डॉ.उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाषन, इलाहबाद,

5.हिन्दी व्याकरण–कामता प्रसाद गुरू।

III Sem

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्णांक–40

प्रष्नपत्र–तृतीय : नाटक निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

इकाई –1– (अ) प्रसाद युगीन एवं प्रसादोत्तर नाटकों की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
(ब) हिन्दी रंगमंच और उसका विस्तार।

इकाई –2– चंद्रगुप्त– जयषंकर प्रसाद।

इकाई –3– आधे–अधूरे :– मोहन राकेष।

इकाई –4– अंधों का हाथी– षरद जोषी।

इकाई –5– एकांकी– (1) दीपदान– रामकुमार वर्मा
(2) तांबे के कीड़े– भुवनेष्वर
(3) रीढ की हड्डी– जगदीष चंद्र माथुर
(4) तौलिये– उपेन्द्रनाथ अष्क
(5) नये मेहमान– उदयषंकर भट्ट

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आतरिक मूल्याकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.प्रसाद के नाटकों का षास्त्रीय अध्ययन–डॉ.जगन्नाथ प्रसाद षर्मा, वाणी प्रकाषन,

2.हिन्दी नाटक का मसीहा : मोहन राकेष–गोविंद चातक,

3.हिन्दी नाटक उद्भव और विकास–डॉ.दषरथ ओझा,

4.मोहन राकेष के साहित्य का समग्र मूल्यांकन–सुरेष चंद्र, आर्य प्रकाषन, दिल्ली।

5.बीसवीं षताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच–गिरीष रस्तोगी, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाषन, दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्णांक–40

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–तुलसीदास

इकाई –1– पाठ्य विषय– तुलसीदास :– रामचरितमानस, (गीताप्रेस–गोरखपुर)
व्याख्यांष–रामचरितमानस–बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड।
इकाई –2– तुलसीदास की युगीन पृष्ठभूमि– सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिस्थितियाँ।
इकाई –3– रामचरितमानस से संबंधित प्रष्न।
इकाई –4– हिन्दी में रामकाव्य परंपरा और उसके अन्य कवि।
इकाई –5– द्रुतपांठ– (1) दोहावली
(2) पार्वती मंगल
(3) जानकी मंगल।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10 × 1 = 10
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 5 × 6 = 30
		40
आंतरिक मूल्यांकन		+ 10
	कुल –	50

संदर्भः– 1.तुलसी साहित्य सुधा– डॉ. भागीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहबाद

2. तुलसी रसायन– डॉ. भागीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहबाद

3.गोस्वामी तुलसी कृत रामचरितमानस 'श्री विनायकी टीका'–म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन भोपाल

4.तुलसी काव्य मीमांसा– उदयभानुसिंह, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली

5.रामचरितमानस एक साहित्यिक मूल्यांकन– सुधाकर पांडेय, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली।

M.A. IVTH Sem.

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्णांक–40

प्रष्नपत्र–प्रथम : आधुनिक हिन्दी काव्य

इकाई –1– वाक्यांष– (1) अज्ञेय– नदी के द्वीप, असाध्य वीणा।
(2) मुक्तिबोध– भूल गलती, अंधेरे में।
(3) भवानी प्रसाद मिश्र– गीत फ़रोष, सतपुड़ा के घने जंगल।
(4) केदारनाथ अग्रवाल– हवा हूँ हवा मै बसंती हवा हूँ, पैतृक संपत्ति
(फूल नहीं रंग बोलते हैं संकलन से)।

इकाई –2– अज्ञेय से संबंधित समीक्षात्मक प्रष्न।

इकाई –3– मुक्तिबोध से संबंधित समीक्षात्मक प्रष्न।

इकाई –4– भवानी प्रसाद मिश्र, केदारनाथ अग्रवाल से संबंधित समीक्षात्मक प्रष्न।

इकाई –5– द्रुतपाठ– त्रिलोचन, सुदामा प्रसाद 'धूमिल', नागार्जुन, दुष्यंत कुमार त्यागी, रघुवीर सहाय, सर्वेष्वर दयाल सक्सेना।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ–

1.कविता के नये प्रतिमान–डॉ.नामवर सिंह

2.नई कविता : स्वरूप और समस्याएँ– डॉ. जगदीष चंद्र गुप्त

3.कविता के नये प्रतिमान–डॉ. लक्ष्मीकांत वर्मा

4.स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता की विभिन्न प्रकृतियाँ–डॉ. सुषमा दुबे

5.मुक्तिबोध : कविता जीवन विवके– चंद्रकांत देवताले, राजकमल प्रकाषन दिल्ली

6.निराला और मुक्तिबोध–नंदकिषोर नवल, राधा प्रकाषन दिल्ली

7.आधुनिक हिन्दी कविता में बिंब विधान का विकास– केदारनाथ सिंह,

8.नयी कविता और अस्तित्ववाद–डॉ. रामविलास षर्मा, राजकमल प्रकाषन दिल्ली,

9.नयी कविता का आत्मसंघर्ष–मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाषन दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्णांक–40

प्रष्नपत्र–द्वितीय : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई –1– हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि– प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ– वैदिक तथा लौकिक संस्कृति और उनकी विषेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ– पालि, प्राकृत–षौरसेनी अर्ध मागधी, अपभ्रंष और उनकी विषेषताएँ। आधुनिक आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

इकाई –2– हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएँ, पष्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विषेषताएँ।

इकाई –3– हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था–खंड्य, खंड्येतर। हिन्दी षब्द–रचना, उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना–लिंग, वचन और कारक– व्यवस्था के संदर्भ में, हिन्दी की संज्ञा, सर्वनाम, विषेषण और क्रिया रूप। हिन्दी वाक्य, पदक्रम और अन्विति।

इकाई –4– हिन्दी के विविध रूप : संपर्क भाषा, राष्ट्रभांषा, राजभाषा, के रूप में हिन्दी, माध्यम–भाषा, संचार–भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

इकाई –5– हिन्दी में कंप्यूटर सुविधाएँ : आंकड़ा–संसाधन और षब्द संसाधन, वर्तनी, मषीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा–षिक्षण, देवनागरी लिपि– विषेषताएँ और मानकीकरण।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ–

1.हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास–डॉ. उदयनारायण तिवारी

2.भाषा विज्ञान–डॉ. भोलानाथ तिवारी

3.प्रयोजनमूलक हिन्दी–डॉ. आर.सी. त्रिपाठी, कैलाष पुस्तक सदन, भोपाल,

4.हिन्दी व्याकरण– कामता प्रसाद 'गुरू',नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्णांक–40

प्रष्नपत्र–तृतीय : नाटक निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

इकाई –1– हिन्दी गद्य विधाओं का स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ– निबंध, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, रिपोर्ताज, डायरी एवं फीचर लेख।

इकाई –2– आचार्य रामचंद्र षुक्ल– चिंतामणि– कविता क्या है, श्रद्धा और भक्ति, क्रोध।

इकाई –3– आचार्य हंजारी प्रसाद द्विवेदी– कल्पलता– ,अषोक के फूल, नाखून क्यों बढ़ते हैं,कुटज।

इकाई –4– हरिषंकर परसाई– प्रतिनिधि व्यंग्य– विकलांग श्रद्धा का दौर, भोलाराम का जीव, एक दीक्षांत भाषण।

इकाई –5– महादेवी वर्मा– पथ के साथी– रवीन्द्रनाथ टैगोर, मैथिलीषरण गुप्त, सुभद्राकुमारी चौहान, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।

अंक विभाजन–

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10 × 1 =	10
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 5 × 6 =	30
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
कुल –		50

संदर्भ ग्रंथ–

1.हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ–डॉ. हरिमोहन, तक्षषिला प्रकाषन, दिल्ली,

2.प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार– डॉ. हरिमोहन, तक्षषिला प्रकाषन, दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम

पूर्णांक–40

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–तुलसीदास

इकाई –1– पाठ्य विषय–रामचरितमानस, कवितावली, विनय पत्रिका(गीताप्रेस–गोरखपुर)
वाक्यांष–रामचरितमानस–बालकाण्ड,अयोध्याकाण्ड,उत्तरकाण्ड, कवितावली, विनयपत्रिका।

इकाई –2– रामभक्ति काव्यधारा का परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई –3– तुलसीयुगीन पृष्ठभूमि, जीवनी एवं कृतित्व।

इकाई –4– तुलसी की भक्ति, दर्षन तथा कृतियों से संबंधित प्रष्न।

इकाई –5– द्रुतपाठ– रामभक्ति धारा के अन्य कवियों का अवदान रामानंद, विष्णुदास, केषवदास।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10 × 1 = 10
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 5 × 6 = 30
		40
आंतरिक मूल्यांकन		+ 10
	कुल –	50

संदर्भः– 1.तुलसी साहित्य सुधा– डॉ. भागीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहबाद

2. तुलसी रसायन– डॉ. भागीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहबाद

3.गोस्वामी तुलसी कृत रामचरितमानस 'श्री विनायकी टीका'–म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन भोपाल

4.तुलसी काव्य मीमांसा– उदयभानुसिंह, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली

5.रामचरितमानस एक साहित्यिक मूल्यांकन– राजकमल प्रकाषन, दिल्ली।